# संकल्प में एटम बम की शक्ति

★ अणु विस्फोट से उत्पन होने वाली शक्ति की जानकारी संसार को है। लेकिन संकल्प में जो शक्ति होती है, उसकी जानकारी होना आवश्यक है। इसमें अणु से भी अधिक शक्ति होती है। बस इसका विस्फोट कैसे हो यह खोज का विषय है ।

★ जब हम कोई संकल्प करते हैं तो दो वृत्त बनते हैं। एक को ध्वनि वृत्त और दूसरे को भाव वृत्त कहते हैं।

★ ध्वनि वृत्त अर्थात् जब हम किसी संकल्प को मन में रिपीट करना शुरू करते हैं तो इससे ध्वनि की तरंगें बनती हैं। कुछ समय बाद ये तरंगें वृत्त का रूप ले लेती हैं और घूमना शुरू कर देती हैं। जितना ज़्यादा सोचते हैं, यह चक्र शक्तिशाली बनता जाता है ।

★ लगातार की गति एक गोलाई में घूमने लगती है, जिससे शक्ति बनने लगती है। जैसे एक बार लट्टू को घुमा देने से बहुत देर तक घूमता रहता है, ऐसे ही योग में भगवान के किसी एक गुण को याद करते रहते हैं तो ऐसा बल बनता है जो रुकता नहीं। उसको कोई तोड़ नहीं सकता। ये संकल्प किले का काम करता है व हम और हमारे साथ रहने वाले भी विकारों से प्रभावित नहीं होते। अगर इसको और दृढ़ कर लें तो महात्मा बुद्ध की तरह जहां हम ठहरेंगे उसके 20 किलो मीटर के क्षेत्र में अपराधी लोग भी अपराध नहीं करेंगे। अगर सेंटर पर रहते हैं तो हमारे संकल्प किले का काम करेंगे। सभी भाई-बहनों की संकल्प शक्ति मज़बूत रहेगी ।

★ यह गोले दो प्रकर के होते हैं। 1) संकल्प के

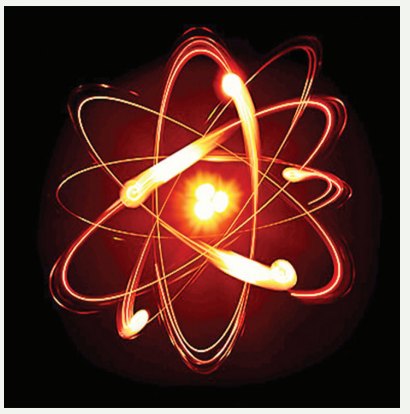

आधार पर तथा 2) भावना के आधार पर ।

★ किसी भी भावना को बार बार रिपीट करने या दिमाग में रखने से ये विचार भी एक चक्र में घूमते हैं, जिससे यह बहुत शक्तिशाली हो जाते हैं और सृजनकर्ता को घेर लेते हैं। ये व्यक्तित्व को पकड़ और जकड़ लेते हैं और उसे अपने में ढ़ाल लेते हैं। अर्थात् भावना के अनुसार उसका व्यक्तित्व अच्छा या बुरा बना जाता है। अगर आप शक करते हैं तो शक का स्वरूप बन जायेंगे। अगर आप समझते हैं कि लोग दयालु हैं तो आप दया का स्वरूप बन जायेंगे।

★ इसी प्रकार साधारण संकल्प भी जब चक्र का रूप धारण कर लेते हैं तो वह बहुत शक्तिशाली बन जाते हैं। वह रेडियो स्टेशन की तरंगों का रूप धारण कर लेते हैं। जिससे सारा संसार प्रभावित होता है और साधक भी जगमगाने लगता है। रेडियो स्टेशन पर प्रसारण होता है, परंतु वहाँ कोई आवाज़ नहीं होती, परंतु जहां प्रसारण पहुँचता है वहां आवाज़ होती है। अर्थात् आप जहां रहते हैं वहां लोग आपको साधारण समझेंगे, परंतु आपका मनोबल दूर दराज के लोगों को सुकून देगा।

★ अगर हम भगवान के किसी एक गुण को 11 करोड़ बार सिमरन कर लें तो हमारे में 10 एटम बम के बराबर शक्ति आ जायेगी। अन्त में युद्ध एटम बम से होने वाला है। ऐसे में हमारा एक संकल्प उनके 10 बम नष्ट कर देगा। यह शक्ति अष्ट रत्नों में आ जायेगी। इसलिए युद्ध से डरने की ज़रूरत नहीं है। जो भगवान का बन गया, उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। यह निश्चय पक्का रखो।

## रोकने के बजाए... - पेज 7 का शेष

अनुभव करते हैं जो आपको कई बार अवसाद का शिकार भी बना देते हैं।

**खुद के वास्तविक स्वरूप को नकारना:** प्रत्येक व्यक्ति चाहता है कि वो परफेक्ट ही दिखे। चाहे लुक्स हो, करियर हो या कम्पलीट पर्सनैलिटी। हम जहाँ जाएं वहाँ सिर्फ हमारी प्रशंसा ही हो। लेकिन ऐसा होना तो संभव नहीं है और न ही ये संभव है कि हर व्यक्ति परफेक्ट हो। ऐसे में जब हमें अपने लुक्स, स्वभाव या व्यक्तित्व के बारे में बाहरी दुनिया से वास्तविकता का पता चलता है तो इसे स्वीकारना आसान नहीं होता और इससे पैदा होने वाली हीन भावना हमारे दिमाग पर हावी हो जाती है। इससे बेहतर तो यही होगा न कि हम अपने आप को अपने वास्तविक स्वरूप में स्वीकार लें और फ़िर अपने अच्छे व्यवहार से दुनिया को प्रभावित करें।

**समय की परिवर्तनशीलता को अस्वीकारना:** समय हमेशा एक सा नहीं रहता, अच्छा और बुरा समय हर व्यक्ति का आता है, लेकिन कई बार हम ये आस लगा लेते हैं कि अच्छा समय ही हमेशा बना रहे, बुरा समय कभी न आये। ऐसी सोच के चलते, बुरे समय में संतुलन बना पाना संभव नहीं हो पाता और लड़खड़ाने की इस स्थिति में नकारात्मक विचारों से हमारी दोस्ती और भी ज़्यादा गहरी होती जाती है। बेहतर ये होगा कि समय के इस बदलाव को सहज स्वीकारा जाए ताकि अच्छे समय का सदुपयोग हो सके और बुरे समय को संयम के साथ, आशावादी रहते हुए गुज़ारा जा सके।

ये हमारे अपने नज़रिये का ही परिणाम है कि हमें नेगेटिविटी का ज़्यादा सामना करना पड़ता है, क्योंकि हम खुद नकारात्मकता को ज़्यादा महत्व देते हैं, बजाए वास्तविक और सकारात्मक विचारों के।

इतना सब जान लेने के बाद, अब आपके लिए सिर्फ ये जानना आवश्यक है कि आपके हालात और आपकी ख़ुशी आपके अपने हाथ में है। जैसा सोचेंगे, वैसा ही पाएंगे क्योंकि आप दिमाग के मालिक हैं, दिमाग आपका मालिक नहीं। तो बस, देर किस बात की! इसी पल से अपनी वास्तविकता को स्वीकारिये और अपने दिमाग में आने वाले नकारात्मक विचारों को रोकने के बजाए, इसे सकारात्मक विचारों से भरते जाइये। फिर देखिएगा, आपका व्यक्तित्व दुनिया को सकारात्मक रूप में ही प्रभावित करेगा।

**दिल्ली-पंजाबी बाग।** शिव जयंती के अवसर पर केक काटते हुए ब्र.कु. कोकिला। साथ हैं राज्यसभा सांसद सुशील गुप्ता, विधायक गिरीश सोनी, मादीपुर विधानसभा विधायक शिवचरण गोयल, मेरी दिल्ली अखबार के मालिक राजेश गुप्ता तथा अन्य।

**छिवरामऊ-कन्नौज(उ.प्र.)।** महाशिवरात्रि के अवसर पर संस्था के 82वें स्थापना वर्ष महोत्सव में केक काटते हुए भाजपा नगराध्यक्ष दिलीप गुप्ता, सर्राफा व्यापार मंडल के महामंत्री रामानन्द वर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष राजीव दुबे, ब्र.कु. सुमनलता, ब्र.कु. नीरज बहन तथा अन्य।

**कोटद्वार-उत्तराखण्ड।** महाशिवरात्रि के अवसर पर स्वामी देवेशनाथ जी महाराज को परमात्म स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ब्र.कु. ज्योति।

**अयोध्या-उ.प्र.।** नवनिर्वाचित मेयर ऋषिकेश उपाध्याय को बधाई देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सुधा। साथ हैं ब्र.कु. ऊषा।

**पतौरा-बिहार।** महाशिवरात्रि पर ध्वजारोहण के पश्चात् अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के जिलाध्यक्ष अखिलेश शरण अधिवक्ता को ईश्वरीय साहित्य एवं सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. विभा। साथ हैं ब्र.कु. रेखा।

**लखना-रूरा(उ.प्र.)।** शिव जयंती के कार्यक्रम में चेयरमैन डॉ. समीर प्रकाश त्रिपाठी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. प्रीति तथा ब्र.कु. वन्दना।

**घरौंदा-हरियाणा।** त्रिमूर्ति शिव जयंती के अवसर पर दीप प्रज्वलित करते हुए हैफेड चेयरमैन एवं विधायक हरविन्दर कल्याण, ब्र.कु. डॉ. सीमा,पंजाब, ब्र.कु. रेनू, ब्र.कु. प्रेम, ब्र.कु. संगीता तथा अन्य।

**मोहाली-पंजाब।** शिव जयंती पर ध्वजारोहण करते हुए ब्र.कु. प्रेमलता, विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि तथा ब्र.कु. भाई बहनें।

**पटना-बिहार।** महाशिवरात्रि महोत्सव में दीप प्रज्वलित करते हुए बायें से ब्र.कु. अनीता, पूर्व विधायक ऊषा विद्यार्थी, राज्यमंत्री मदन शाहनी, बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के चेयरमैन अनिल सुलभा, सबज़ोन डायरेक्टर ब्र.कु. संगीता, लोहिया नगर माउंट कार्मेल हाई स्कूल की डायरेक्टर बिनू शर्मा तथा ब्र.कु. अंजू।

**किशनगढ़-राज.।** महाशिवरात्रि पर आयोजित रथ यात्रा का हरी झण्डी दिखाकर शुभारंभ करते हुए पार्षद बालस्वरूप कुमावत, मदनगंज सी.आई. जोगेन्द्र सिंह राठौड़, किशनगढ़ सी.आई. अनुप सिंह, ब्र.कु. शांति तथा अन्य।